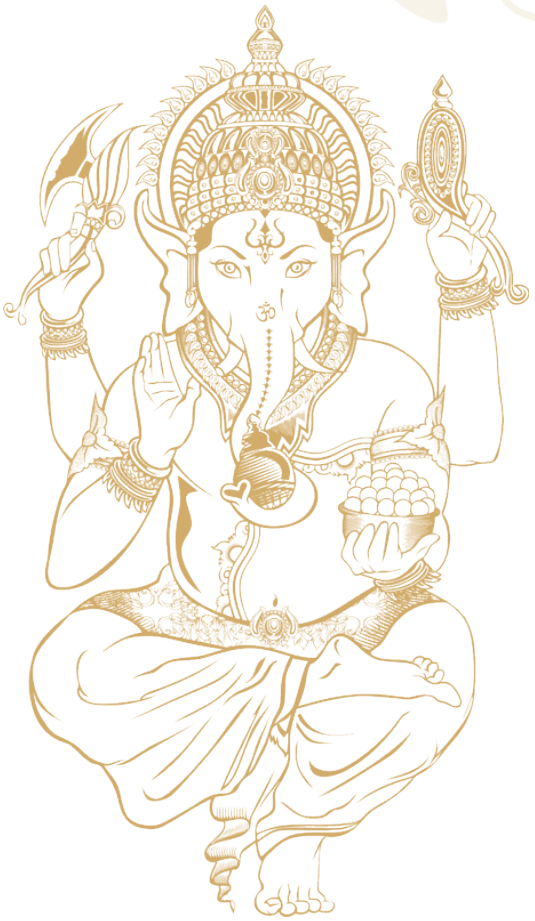

Laxmi

26 Jan 2026

10:28 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121063502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:28:00 घंटे**
इष्ट	08:11:00 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:01:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:29 घंटे
साम्पातिक काल	18:23:53 घंटे
सूर्योदय	07:11:36 घंटे
सूर्यास्त	18:06:01 घंटे
दिनमान	10:54:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:01:05 मकर
लग्न के अंश	13:56:29 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	13:56:29	491:25:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
सूर्य			मक	12:01:05	01:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	12:07:00	14:02:02	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	07:58:36	00:46:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	15:07:52	01:43:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:48:54	00:07:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	16:40:56	01:15:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:51:53	00:05:32	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:12:04	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:12:04	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:16	00:00:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:45:49	00:01:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:17:20	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	11:15:41	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

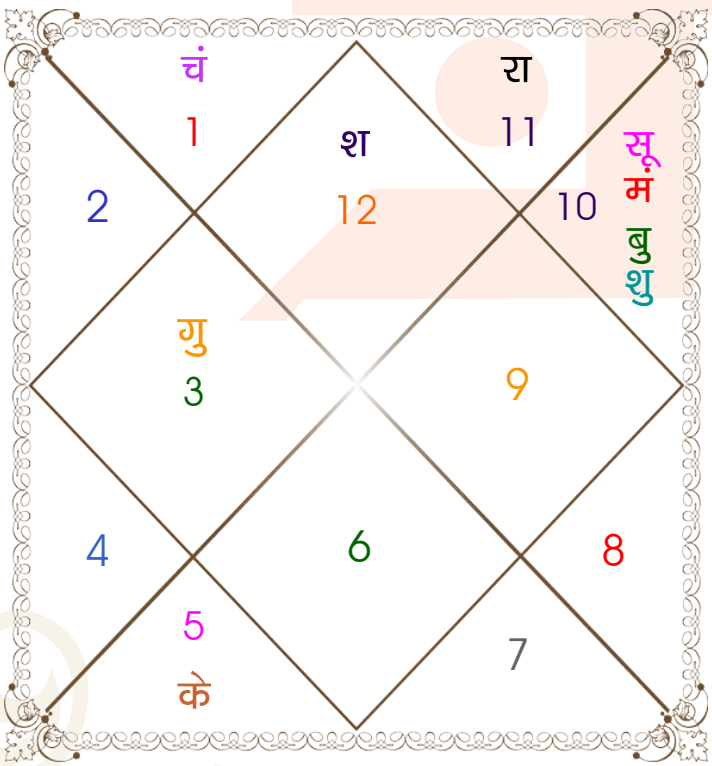

चन्द्र कुंडली

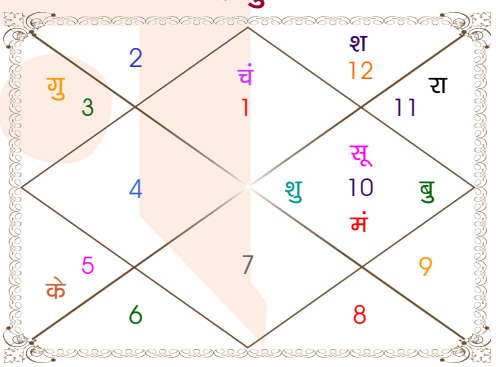

नवमांश कुंडली

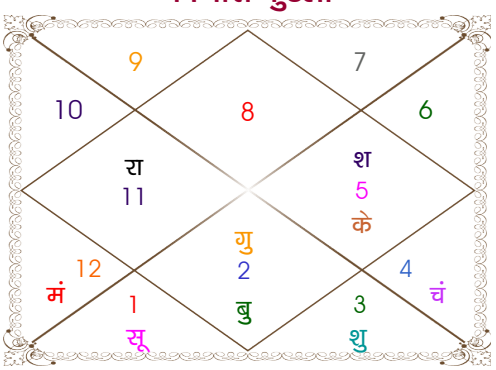

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/01/2026		16/09/2026		16/09/2046		16/09/2052		16/09/2062	
16/09/2026		16/09/2046		16/09/2052		16/09/2062		16/09/2069	
	00/00/0000	शुक्र	16/01/2030	सूर्य	04/01/2047	चंद्र	17/07/2053	मंगल	12/02/2063
	00/00/0000	सूर्य	16/01/2031	चंद्र	05/07/2047	मंगल	15/02/2054	राहु	02/03/2064
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2032	मंगल	10/11/2047	राहु	17/08/2055	गुरु	06/02/2065
	00/00/0000	मंगल	16/11/2033	राहु	04/10/2048	गुरु	16/12/2056	शनि	18/03/2066
	00/00/0000	राहु	16/11/2036	गुरु	23/07/2049	शनि	17/07/2058	बुध	15/03/2067
	00/00/0000	गुरु	18/07/2039	शनि	05/07/2050	बुध	17/12/2059	केतु	11/08/2067
	00/00/0000	शनि	16/09/2042	बुध	12/05/2051	केतु	17/07/2060	शुक्र	10/10/2068
	26/01/2026	बुध	17/07/2045	केतु	16/09/2051	शुक्र	18/03/2062	सूर्य	15/02/2069
बुध	16/09/2026	केतु	16/09/2046	शुक्र	16/09/2052	सूर्य	16/09/2062	चंद्र	16/09/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/09/2069		16/09/2087		17/09/2103		17/09/2122		17/09/2139	
16/09/2087		17/09/2103		17/09/2122		17/09/2139		27/01/2146	
राहु	29/05/2072	गुरु	04/11/2089	शनि	20/09/2106	बुध	13/02/2125	केतु	14/02/2140
गुरु	23/10/2074	शनि	17/05/2092	बुध	30/05/2109	केतु	10/02/2126	शुक्र	15/04/2141
शनि	29/08/2077	बुध	23/08/2094	केतु	09/07/2110	शुक्र	11/12/2128	सूर्य	21/08/2141
बुध	17/03/2080	केतु	30/07/2095	शुक्र	08/09/2113	सूर्य	17/10/2129	चंद्र	22/03/2142
केतु	05/04/2081	शुक्र	30/03/2098	सूर्य	21/08/2114	चंद्र	19/03/2131	मंगल	18/08/2142
शुक्र	04/04/2084	सूर्य	16/01/2099	चंद्र	21/03/2116	मंगल	15/03/2132	राहु	05/09/2143
सूर्य	27/02/2085	चंद्र	18/05/2100	मंगल	30/04/2117	राहु	02/10/2134	गुरु	11/08/2144
चंद्र	29/08/2086	मंगल	24/04/2101	राहु	06/03/2120	गुरु	07/01/2137	शनि	20/09/2145
मंगल	16/09/2087	राहु	17/09/2103	गुरु	17/09/2122	शनि	17/09/2139	बुध	27/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।